

## परीक्षण हेतु लिये गये खाद्य पदार्थों के 11 नमूने

रविवार को तीन दुकानों में की गई जांच

जबलपुर।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने जिला प्रशासन द्वारा गठित गरूड़ दलों की कार्यवाही आज रविवार को भी जारी रही। गरूड़ दलों द्वारा खाद्य पदार्थों के विक्रय प्रतिष्ठानों से खोवा के चार, दुग्ध उत्पादों के पांच एवं अन्य खाद्य पदार्थों के दो नमूने परीक्षण हेतु लिये गये। इसके साथ ही एक्सपायरी डेट अंकित न होने के कारण पैकेट बंद नमकीन, सलोनो, लड्डू तथा दूधित पाये जाने पर खोवा, कलाकंद एवं दूध और दही का विनिष्टिकरण भी कराया गया तथा दुकानदारों पर जुर्माना रोपित किया गया।

एसडीएम रांझी श्रीमती मीनिका बाघमारे के नेतृत्व में गठित गरूड़ दल द्वारा इंदिरा मार्केट स्थित शंकर स्वीट्स एवं रामजी यादव डेयरी एंड स्वीट्स तथा रांझी बाजार स्थित न्यू नरेन्द्र डेयरी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रामजी यादव डेयरी एवं स्वीट्स से खोबे का नमूना तथा शंकर स्वीट्स से घी और खोबे का नमूना परीक्षण हेतु लिया गया। शंकर स्वीट्स से एक्सपायरी

## खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने गरूड़ दलों की कार्यवाही जारी



डेट अंकित न होने के कारण नमकीन के 9 पैकेट, सलोनो के 84 पैकेट, राजगीर के लड्डू के 32 पैकेट एवं चिप्स के 53 पैकेट के विनिष्टिकरण की कार्यवाही भी की गई तथा 6 हजार 350 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसी प्रकार न्यू नरेन्द्र डेयरी से भी पनीर, घी तथा दूध के नमूने लिये गये और एक्सपायरी डेट अंकित न होने के कारण अनमोल बूंदी के 82 पैकेट का विनिष्टिकरण

कराया गया एवं 820 रुपये का जुर्माना रोपित किया गया। न्यू नरेन्द्र डेयरी के भंडार ग्रहण को खाद्य पदार्थों का अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में संग्रहण पाये जाने पर सील कर दिया गया है।

तहसीलदार अधारताल द्वारा अधारताल स्थित विशन स्वीट्स एवं कृष्णा मिल्क डेयरी तथा विजय नगर स्थित श्री कृष्ण डेयरी का निरीक्षण किया गया। तहसीलदार

नीलू बाघरी के नेतृत्व में किये गये इस निरीक्षण में विशन स्वीट्स से खोवा एवं छेना के रसगुल्ले के नमूने लिये गये तथा कीट (कॉकरोच) से दूषित पाये जाने पर 2 क्विंटल खोवा एवं कलाकंद का विनिष्टिकरण कराया गया। इसी प्रकार कृष्णा मिल्क डेयरी से खोवा एवं पनीर के नमूने लिये गये तथा मक्खियां पाई जाने पर 100 लीटर दूध एवं 10 किलोग्राम दही विनिष्टिकरण कराया गया। निरीक्षण की कार्यवाही में श्री कृष्ण डेयरी से खोवा का नमूना लिया गया।

विशन स्वीट्स का लायसेंस निलंबित खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने गरूड़ दल द्वारा रविवार को की गई निरीक्षण की कार्यवाही के दौरान अधारताल स्थित विशन स्वीट्स में दूषित खोवा तथा रसगुल्ला में कीट पाये जाने पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन अभिहित अधिकारी एवं अनुज्ञापन अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा द्वारा इस प्रतिष्ठान का लायसेंस निलंबित कर दिया गया है तथा लायसेंस निलंबन की अवधि में खाद्य कारोबार के संचालन को प्रतिबंधित कर दिया गया है।



## काबिंग गश्त में 310 वारंटी गिरफ्तार

जबलपुर। कानून व्यवस्था को सुदृढ़ रखने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिये पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर शनिवार की रात 9 बजे से देर रात 2 बजे तक काबिंग गश्त की गई। इस दौरान 310 वारंटी पकड़े गये, वहीं अवैध हथियार लेकर घूमते हुये 4 लोग पकड़े गये। इनके पास से चार चाकू जप्त की गईं, इसी तरह 22 आरोपियों से 39 लीटर कच्ची और 574 पाव देसी शराब जप्त की गईं। काबिंग गश्त के लिये शहर एवं देहात के थानों में पदस्थ लगभग सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों की टीमें बनाई गईं। एक टीम के प्रभारी थाना प्रभारी स्वयं थे, अन्य टीम के प्रभारी उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी थे। टीमों के द्वारा दबिश देते हुए काबिंग गश्त के दौरान कई वर्षों से फरार 125 गैर म्यादी वारंटियों एवं 87 जमानती

चाकू लेकर घूमते चार आरोपी पकड़े गये

वारंट तामील किए गए तथा 98 म्यादी वारंट भी तामील किए गए हैं। अधिकांश आरोपी लंबे समय से पुलिस से बचते फिर रहे थे, जिन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गश्त के दौरान पुलिस ने अवैध शराब कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश देते हुये 22 आरोपियों को गिरफ्तार कर 39 लीटर कच्ची तथा 574 पाव देसी/विदेशी शराब जप्त की है। इसी प्रकार काबिंग गश्त के दौरान अवैध हथियार रखकर घूमते हुए 4 आरोपियों को पकड़ा जाकर 4 चाकू जप्त किये गये। इसके साथ ही काबिंग गश्त के दौरान सक्रिय गुंडे बदमाशों को चेक करते हुए देर रात आने जाने वालों से रोक-टोक पृष्ठताछ एवं रेलवे स्टेशन तथा बस स्टैंड के साथ-साथ मुसाफिरखाना में संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेंकिंग की गई।

## इंस्टाग्राम पर चाकू चमकाने वाला युवक गिरफ्तार

जबलपुर।

पुलिस ने कान पकड़कर माफ़ी मंगवाई

कान पकड़वाकर सार्वजनिक रूप से माफ़ी भी मंगवाई।

सोशल मीडिया पर बढ़ती हथियार संस्कृति पर चिंता

रांझी पुलिस का कहना है कि इस तरह के वीडियो न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि समाज में गलत संदेश भी फैलाते हैं। ऐसे मामलों में पुलिस अब सख्त कार्रवाई की नीति पर चल रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि — "सोशल मीडिया पर हथियार दिखाकर वीडियो पोस्ट करना अपराध है। ऐसे युवक अपनी छवि दिखाने के चक्कर में अपराध की राह पकड़ लेते हैं। पुलिस ऐसे सभी मामलों में सख्ती से कार्रवाई करेगी।"

पुलिस की दोहरी कार्रवाई पर उठे सवाल

रांझी पुलिस की चाकू वीडियो मामले में तत्परता की सराहना हो रही है, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठ रहे हैं कि जब सोशल मीडिया पर कांचघर दशहरा फायरिंग का वीडियो भी वायरल हुआ, तो उस पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? स्थानीय लोगों का कहना है कि — "अगर पुलिस सभी मामलों में समान गंभीरता दिखाए, तो शहर में अपराधियों का खौफ खत्म हो जाएगा।"

सोशल मीडिया पर हथियार दिखाना अपराध

पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर हथियार या खतरनाक वस्तु लेकर वीडियो न बनाए या पोस्ट न करे। ऐसे कृत्य आर्म्स एक्ट, आईटी एक्ट और आईपीसी की धाराओं के तहत दंडनीय अपराध हैं।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराने और वीडियो अपलोड करने वालों पर अब पुलिस का शिकंजा कसने लगा है। रांझी थाना पुलिस ने इंस्टाग्राम पर हाथ में चाकू लेकर वीडियो बनाकर अपलोड करने वाले युवक आदित्य राजपूत को हिरासत में लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू भी जब्त किया है और कान पकड़वाकर सोशल मीडिया पर माफ़ी मंगवाई है। थाना प्रभारी उमेश गोलानी ने बताया कि कुछ दिन पहले एक युवक द्वारा अपनी इंस्टाग्राम आईडी से ऐसा वीडियो पोस्ट किया गया था, जिसमें वह हाथ में चाकू लेकर पोज दे रहा था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने युवक की तलाश शुरू की। मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी कर आदित्य राजपूत को हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपी से पृष्ठताछ की और उसके पास से चाकू भी जब्त किया गया। युवक ने सोशल मीडिया पर वीडियो डालने की बात स्वीकार की। बाद में पुलिस ने उसे

## जयप्रकाश नारायण व नानाजी देशमुख जयंती भाजपा कार्यालय में मनाई गई

जबलपुर। लोकनायक जयप्रकाश नारायण एवं नानाजी देशमुख की जयंती भा.ज.पा. कार्यालय में संपन्न हुई, आज दिनांक 11 अक्टूबर को भा.ज.पा. संभागीय कार्यालय में लोकतंत्र सेनानी संघ एवं लोकतंत्र प्रहरी संघ के संयुक्त तत्वाधान में जयप्रकाश जी एवं नानाजी देशमुख के संयुक्त जयंती के अवसर पर पुष्पजलि का कार्यक्रम आयोजित किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रत्नेश सोनकर नगर भा.ज.पा. अध्यक्ष एवं ग्रामीण भा.ज.पा. अध्यक्ष श्री राजकुमार पटेल थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर चेतपुरिया ने की, कार्यक्रम का संचालन लोकतंत्र प्रहरी संघ के संभागीय प्रभारी एडवोकेट श्री शैलेश साहू ने की तथा कार्यक्रम का आभार लोकतंत्र सेनानी संघ के जिला अध्यक्ष श्री अंजलि कुमार सिंह जी ने किया कार्यक्रम को श्री फूलचंद जी पालीवाल, श्रीमती प्रीति शुक्ला, श्री अजय पटेल, श्री राजू साहू, अध्यक्ष लोकतंत्र प्रहरी संघ आदि ने संबोधित किया, स्वागत कार्यक्रम श्री रमाकांत शर्मा जी द्वारा किया गया, इस अवसर पर शैलेंद्र सिंह ठाकुर, चंद कुमार जैन, चंद डॉक्टर, अभय जैन, जया प्रसाद ताम्रकार, राजन सिंह ठाकुर, संत कुमार असादी, रमाकांत शर्मा, डॉक्टर अभय जैन, गया प्रसाद ताम्रकार, अजय पटेल, मनोज वर्मा, गोविंद रैकवार, ऐश्वर्या सिंह ठाकुर, श्रीमती प्रीति शुक्ला, राजकुमार साहू, राजू अध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी प्रिडिक्शन शोभा संवणकर महिला मोर्चा श्रीमती सीता बर्मन, श्रीमती शर्मा, राजेश साहू अधिषेक साहू, सीमा साहू समस्त लोकतंत्र सेनानी उपस्थित रहे।

## 2 शराब तस्करो से देसी व अंग्रेजी शराब जप्त

बेलबाग और बरेला पुलिस ने पकड़े आरोपी

जबलपुर।

बरेला एवं बेलबाग पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर 7 बाटल एवं 48 पाव अंग्रेजी शराब और 366 पाव देसी शराब जप्त की है। आरोपियों के पास से 4350 रुपये भी जप्त किये गये। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आवकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बरेला पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर ग्राम सिहोरा में 32 वर्षीय सतीश पटेल को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 2 बरियरों में तलाशी लेने पर कुल

316 पाव देशी शराब जप्त की गईं, आरोपी ने पृष्ठताछ में स्वीकार किया की विक्रम पटेल एवं सोनू के कहने पर वह अवैध शराब बेच रहा था। इसी तरह बेलबाग पुलिस ने मुख्बर की सूचना पर गलगला में 32 वर्षीय राहुल सोनकर के पास से बैगापाईपर ब्रांड के 31 पाव और मेकडबल रम के 13 पाव 4 पाव ओल्डमंक रम, 2 बाटल बेगापाईपर व्हीस्की, 1 बाटल ऑफिसर च्वाईस, 6 बाटल मेकडबल, 50 पाव देशी शराब तथा नगदी 5 हजार 330 जप्त किये गये। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ 34(2) आवकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

जबलपुर। पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने जिले में रविवार से प्रारंभ हुये राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तीन दिनों के अतिरिक्त चरण के पहले दिन 80.98 फीसदी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। पहले दिन पोलियो की दवा पीने से छूट गए बच्चों को सोमवार और मंगलवार को घर-घर जाकर दवा पिलाई जायेगी। पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण का शुभारंभ कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने रानी दुर्गावती चिकित्सालय में बच्चों एवं नजवान शिशुओं को पोलियो की वैक्सीन पिलाकर किया। इस अवसर पर आयुक्त नगर निगम राम प्रकाश अहिरवार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा अनुविभागीय राजस्व अधिकारी जबलपुर अग्निषेक सिंह एवं रानी दुर्गावती चिकित्सालय की अधीक्षक डॉ नीता पाराशर एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ विनोद गुप्ता मौजूद रहे। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण में



जिले में 5 वर्ष तक की आयु के 3 लाख 89 हजार 454 बच्चों को पोलियो की वैक्सीन देने का का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के पहले दिन इन बच्चों को दवा पिलाने के लिये जिले में 2 हजार 476 पोलियो बूथ बनाये गये थे इनमें बी

टाईप के 2हजार 268, सी टाइप के 78 तथा 31 मोबाइल बूथ एवं 99 ट्रांजिट बूथ शामिल हैं। बरगी बांध अंतर्गत ड्रग क्षेत्र में मोटर वोट से वैक्सीनेटर टीम को भेजा गया। अभियान के पहले दिन रविवार को 3 लाख 15 हजार 389 बच्चों को पोलियो बूथ पर दवा पिलाई गई जो कुल लक्ष्य का 80.98 है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने रानी वैक्सीनेटर टीम को अभियान के पहले दिन पोलियो बूथ पर आकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने वाले सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया है। कलेक्टर ने पहले दिन पोलियो वैक्सीन लेने से छूट गये बच्चों को अभियान के दूसरे दिन सोमवार 13 अक्टूबर एवं तीसरे दिन मंगलवार 14 अक्टूबर को घर-घर जाकर पोलियो की वैक्सीन पिलाने के निर्देश दिये हैं।

उन्होंने पोलियो की दवा पिलाने मोबाइल टीम में तैनात कर्मचारियों को दूरस्थ क्षेत्रों, श्रमिकों की बस्तियों, कंस्ट्रक्शन साइट एवं इंट मट्टा, केशर आदि स्थानों पर शत-प्रतिशत बच्चों को दवा पिलाने विशेष ध्यान देना होगा। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा ने अभियान के पहले दिन करीब 81 फीसदी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने के लिये सभी पोलियो टीम को बधाई दी है। उन्होंने पोलियो टीमों से कहा कि कोई भी बच्चा पोलियो दवा पीने से वंचित न रहे इसके लिए अगले दो दिनों में उन्हें कारगर रणनीति बनाकर पांच वर्ष तक की आयु के प्रत्येक बच्चे तक पहुंचना होगा।

## 100वें सेशन में झलकी किताबों की ताकत, बदली ज़िंदगियाँ

## भंवरताल में जबलपुर रीड्स का शतक सत्र: साहित्य और समाज का संगम

जबलपुर।

शहर की साहित्यिक फिजाओं में एक ऐतिहासिक पल दर्ज हुआ, जब भंवरताल गार्डन में आयोजित हुआ जबलपुर रीड्स का 100वां सेशन। दो साल पहले नयन और संस्कार जैन द्वारा शुरू की गई यह छोटी-सी रीडिंग कम्युनिटी आज एक जनादोलन का रूप ले चुकी है, जिसने न केवल किताबों से जुड़ाव बढ़ाया है, बल्कि ज़िंदगियों को भी दिशा दी है।

## कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने की साहित्य की महत्ता पर चर्चा

मुख्य अतिथि कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, जो खुद भी एक लेखक हैं, ने साहित्य की शक्ति को रेखांकित करते हुए कहा, 'रूपरेखा केवल शौक नहीं, मानसिक और सामाजिक विकास की नींव है। उन्हीं सभी को 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' और 'नौकर की कमीज' जैसी किताबें पढ़ने की सलाह दी। साथ ही एनीमिया जागरूकता अभियान से जुड़ने की भी अपील की।

## 'पांचाली' की प्रस्तुति ने छुए दिल

कार्यक्रम में पूजा केवट की एकल प्रस्तुति पांचाली ने



दर्शकों को भावविभोर कर दिया, वहीं सिद्धार्थ चौहान ने साहित्यिक पहलियों और चर्चाओं से माहौल को जीवंत रखा। अनिकेत सिंह की नाना पाटेकर शैली में मिमिक्री ने खूब तालियाँ बटोरें।

## युवाओं ने कविता और शायरी से दी आत्म-अभिव्यक्ति का आवाज़

-पंकज, जो आयुर्वेद के छात्र हैं, ने मंच को एकता का बिंदु बताया और अपनी कविता से सभी को जोड़ा। कामिनी

सोनी ने जबलपुर रीड्स से जुड़ने के बाद अपने जीवन में आए बदलाव को कविता के माध्यम से साझा किया। -प्रो. मानवेन्द्र ने बताया कि पढ़ने के बाद होने वाला डिस्कशन सेशन सबसे प्रभावी हिस्सा होता है, जहाँ हर कोई खुलकर अपने विचार रखता है। लॉ छात्र अमान ने स्वीकारा कि शुरुआत में किताबों से डर लगता था, लेकिन अब वही किताबें आत्मविश्वास का स्रोत बन चुकी हैं। -रंगमंच कलाकार गौरव सेनी ने कहा कि किताबें अभिनय जैसी कलाओं की आत्मा होती हैं।

कार्यक्रम में दर्शन जैन समेत कई अन्य सदस्यों ने अपनी रचनाओं से भी कार्यक्रम को साहित्यिक सौंधापन दिया। कार्यक्रम में खास बात यह रही कि कई सदस्य अपने माता-पिता के साथ आए, जिन्होंने भी मंच पर खुलकर संवाद किया। मंच की सुंदर सजा अंजली राउत ने की और संचालन डॉ. विशाल सिंह ने अपनी शोरे-शायरी से बांधे रखा। आशुतोष ने अन्य जिलों से आए साहित्यप्रेमियों का स्वागत करते हुए उन्हें भी मंच पर आमंत्रित किया।

## किताबों से जुड़ाव ने बदली ज़िंदगियाँ

जबलपुर रीड्स अब सिर्फ किताबों की बात नहीं करता, यह मंच बन चुका है आत्म-अभिव्यक्ति, संवाद और सामाजिक चेतना का। 100वें सत्र ने यह साबित कर दिया कि शब्दों की दुनिया में वो ताकत है, जो ज़िंदगियाँ बदल सकती है।

# ‘क से ग’ में खूब गूँजे गीत गज़लों के स्वर, कविता पाठ ने किया मंत्रमुग्ध

जबलपुर।

संस्कृत थिएटर भंवरताल में मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन के प्रतिष्ठा आयोजन ‘क से ग’ (क से किताब- कविता... ग से गीत- गज़ल) के आयोजन में किताब पर बात, आओ सुनें कविता और शाम ए गज़ल गीत के सत्रों में शहर के साहित्य प्रेमी श्रोताओं की जमकर उपस्थिति रही। कार्यक्रम का प्रारम्भ वरिष्ठ रंगकर्मी स्व. अरुण पाण्डेय और वरिष्ठ रंगकर्मी स्व. सीताराम सोनी की स्मृति को समर्पित करते हुए आशुतोष द्विवेदी, विवेक पाण्डेय और अलंकृत श्रीवास्तव ने जनगीत प्रस्तुत किये। किताब की बात सत्र में कोलकाता से आए युवा आलोचक यतीश कुमार ने लोकनाथ के कविता संग्रह खुरदुरे पत्थर पर एवं वरिष्ठ आलोचक डॉक्टर निशा तिवारी ने यतीश कुमार की आत्म संस्मरणत्मक पुस्तक बोरसी भर आंच पर अपने समीक्षात्मक वक्तव्य दिए।

कविता पाठ सत्र में दीपक जायसवाल (दिल्ली), लोकनाथ (उमरिया), कुंदन सिद्धार्थ (जबलपुर), यतीश कुमार (कोलकाता) एवं विनोद पदरज (सवाई माधोपुर) ने मार्मिक एवं भावपूर्ण कविताओं का पाठ कर श्रोताओं को भावुक कर दिया। शाम ए गज़ल गीत सत्र नवीन कानगो के गज़ल पाठ से शुरू हुआ और फिर सुप्रसिद्ध वरिष्ठ नवगीतकार यश मालवीय के पूरे देश



में प्रसिद्ध नवगीतों के पाठ से संपन्न हुआ। इस संस्कृत थिएटर परिसर में युवा रंगोली कलाकार अंजलि राठ ने सभी रचनाकारों के चित्र और आयोजन के लोगो को रंगोली में जीवंत कर दिया। साथ ही परिसर का कला संयोजन दविन्दर सिंह प्रोवर ने किया, मूर्तिकार आरती नागले ने दोनों पुस्तकों की थीम को अपने शिल्प में प्रस्तुत किया, छिंदवाड़ा से आए चित्रकार ध्रुव ने कविता पोस्टरों की प्रदर्शनी लगाई, त्रिलोक सिंह पुस्तकालय ने पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया, इन सभी प्रयोगों को दर्शकों की खूब सराहना मिली। इससे पहले कार्यक्रम के संयोजक विवेक चतुर्वेदी ने कार्यक्रम की पूर्व पीठिका में कहा कि ‘क’ हिंदी वर्णमाला का पहला वर्ण भी है और

किताब आदमी को और बेहतर आदमी बनाने का एक जरूरी औजार ‘क’ से ही आज के समय का सबसे जरूरी शब्द बनता है क्यों? जो कि इस क्रूर समय के सामने पूरी ताकत पूरे दमखम से खड़ा होता है, हमारे चारों ओर ऐसा बहुत कुछ है जो सब कुछ ‘ख’ से खा जाना चाहता है लेकिन हमें ‘क स ख’ का अतिक्रमण कर ‘ग’ की ओर बढ़ना होगा, क्योंकि ‘ग’ से हमारे पास गांधी हैं जो इस काली अमावस में एक दीये की तरह हैं जिसकी लौ टिमटिमा रही है हम सर्वग्रासी भूख के ख का अतिक्रमण करके ग पर पहुंचे हैं और यही रास्ता है यह पढ़ने का रास्ता है यह रचने का रास्ता है इसीलिए हम ऐसे रचनात्मक आयोजन कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन के

अध्यक्ष पलाश सुरजन, अपर संचालक वित्त रोहित सिंह कौशल, डॉ आरसी पाण्डेय, विवेक त्रिपाठी, अनमोल वाधवा, प्रकाश तिवारी, राजेश दीवान, एड निखिल तिवारी, वरिष्ठ कथाकार राजेंद्र दानी, डॉ समीर सिंघई, नरेश जैन, वरिष्ठ कवि अभय तिवारी, अनुराग जैन गढ़वाल, राजकुमार ठाकुर, भारतीय शुक्ल, एडवोकेट अमित सिंह, अनिरुद्ध सिंह और 300 से अधिक सुधि श्रोता उपस्थित रहे। इस प्रतिष्ठा आयोजन में पीयूष श्रीवास्तव, संजय शर्मा, अलंकृत श्रीवास्तव, संजय शर्मा, अजय यादव, मनीष शर्मा, राजेश शुक्ला, भास्कर वर्तक, डॉ. शैलेंद्र पाण्डेय, कृष्णकांत दीक्षित, प्रसून खरे, वासु गंगराडे, नरेंद्र सिंह, नीलेश मालवीय का सहयोग रहा।



## हिन्दी लेखिका संघ ने आयोजित किया दीपावली मिलन समारोह

जबलपुर। हिंदी लेखिका संघ मध्यप्रदेश द्वारा दीपावली मिलन समारोह का भव्य आयोजन शनिवार, 11 अक्टूबर को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन संघ की खेल प्रभारी रेखा चौधरी ने हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण में किया। समारोह का आयोजन संघ की अध्यक्ष डॉ. कामना श्रीवास्तव के संयोजन में तथा सलाहकार अर्चना मलेया के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर संघ की वरिष्ठ सदस्याएं डॉ. कामना कौस्तुभ, छाया सक्सेना प्रभु, आरती शर्मा, डॉ. शोभा सिंह, मीना भट्ट, डॉ. गीता गीत, डॉ. अम्बर प्रियदर्शी, ज्योति मिश्रा, रेखा चौधरी, प्रतिमा अखिलेश, डॉ. मुकुल तिवारी, चंद्रप्रकाश वैश्य और सावनी राजू उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दीवाली की उमंग और उत्साह के साथ विभिन्न मनोरंजक खेलों, कविताओं,

गीतों और मस्ती भरे पलों का आनंद लिया गया। नई सदस्याओं का संघ में सादर स्वागत किया गया और सभी ने एक-दूसरे को दीवाली की शुभकामनाएं दीं। श्रवणी राजू, डॉ. मुकुल तिवारी, आरती शर्मा, अम्बर प्रियदर्शी, मीना भट्ट, छाया त्रिवेदी ने विभिन्न बौद्धिक खेलों में पुरस्कार प्राप्त किये। साहित्य सृजन के साथ साथ समाज संस्कृति और बौद्धिक खेलों में भी हिंदी लेखिका संघ जबलपुर सक्रिय रहती है। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष डॉ. कामना श्रीवास्तव ने सभी सदस्याओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि “लेखिका बहनों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी पहचान है। जीत-हार से ऊपर हमारी एकता और उत्साह हमारी शान है।” पूरे आयोजन में उत्साह और सौहार्द का सुंदर समागम देखने को मिला।



## बच्चों को वितरित की खेल सामग्री और विद्यालय को भेंट किया रोटी मेकर

बरेला। स्थानीय रेस्टोरेंट संचालक और समाज सेवी अभिषेक कुमार यादव ने विगत दिवस पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सालीवाड़ा गौर में अध्ययनरत बच्चों को खेल सामग्री और मध्याह्न भोजन हेतु मेकर भट्टी (रोटी बनाने) प्रदान की। इस अवसर पर संकुल प्राचार्य श्रीमती आभा वानखेड़े ने अभिषेक कुमार यादव को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह एक अनूठी पहल है। इस अवसर पर सालीवाड़ा गौर ग्राम पंचायत के सरपंच श्री सीरम राय, पीएम श्री प्रभारी श्री ध्रुव कुमार गोलहानी एवं शाला का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

## पथ संचलन कार्यक्रम में शामिल हुए सैकड़ों स्वयंसेवक



बरेला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचलन और शब्द पूजन कार्यक्रम में सैकड़ों स्वयंसेवकों ने उत्साह से सहभागिता की। थाने के सामने रामलीला रंगमंच में एकत्र हुए सैकड़ों स्वयंसेवकों ने शब्दों के पूजन के बाद संघ की प्रार्थना की। इसके बाद पूर्ण अनुशासन और उत्साह के साथ नगर में स्वयं सेवकों ने पथ संचलन किया, स्वयंसेवकों के पथ संचलन पर नगर में अनेक स्थानों पर पुष्प वर्षा की गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक के जिला पदाधिकारी, खंड और अनेक लोग उपस्थित रहे।

श्रीमती चंद्रकली उपाध्याय-हाथीताल कॉलोनी निवासी श्री कामता प्रसाद उपाध्याय की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रकली उपाध्याय (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कौशल्या रानी अरोरा- बेदी नगर मंडिकल रोड निवासी श्री मुलकराज अरोरा की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या रानी अरोरा (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुनेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री अंकित रोतिया- घमापुर निवासी श्री अशोक रोतिया के पुत्र श्री अंकित रोतिया (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जैशनी सोनकर- दंगल मैदान घमापुर निवासी श्री

रामा सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती जैशनी सोनकर (22) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कुमुम पाठक- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री राम गोपाल पाठक की धर्मपत्नी श्रीमती कुमुम पाठक (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गोमती बाई- राजीव गांधी नगर कटंगा केंद्र निवासी श्री बृज लाल की धर्मपत्नी श्रीमती गोमती बाई (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कुमुम बक्शी- प्रगति

श्रीमती सावित्री चौहान- पटेल नगर महाराजपुर निवासी श्री राज प्रकाश चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री चौहान (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया

## स्वदेशी संकल्प आत्मनिर्भर भारत की नींव : कुलस्ते

### 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य

जबलपुर। मंडला के सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री फगन सिंह कुलस्ते ने यहां कहा की स्वदेशी का मूलमंत्र ही आत्म निर्भर भारत का निर्माण करेगा। उन्होंने कहा स्वदेशी एक नारा नहीं बल्कि हर एक भारतीय का संकल्प और जीवन पद्धति है। प्रधानमंत्री के लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत के संकल्प के संदर्भ में श्री कुलस्ते यहां भाजपा के संभागीय कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे।

इस अवसर पर नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, विधायक अशोक रोहणा, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, आत्मनिर्भर अभियान के जिला संयोजक डॉ जितेंद्र जाधवार, सह संयोजक श्रीमती तनुषी सिंह, महामंत्री पंकज दुबे, रजनीश यादव, जिला मीडिया प्रमोटी श्रीकान्त साहू, सह मीडिया प्रमोटी रवि शर्मा उपस्थित थे।



पत्रकारों से चर्चा के दौरान श्री कुलस्ते ने कहा की हर भारतीय स्वदेशी अपना कर आत्म निर्भरता में अपना योगदान दे सकता है। यही आठवां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। सांसद श्री फगन सिंह कुलस्ते ने कहा स्वदेशी का संकल्प एक नारा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नींव है। यह एक आह्वान है कि अपने देश में उत्पादों को अपनाए,

अपनी संस्कृति को गले लगाएं, और अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करें। हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी हमारा मंत्र है, हमारा लक्ष्य है, और हमारी शक्ति है। सांसद फगन सिंह कुलस्ते ने कहा स्वदेशी सिर्फ आर्थिक विषय नहीं, यह हमारी संस्कृति और आत्मा का हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि स्वदेशी एक ऐसा अभियान है जो देश के भविष्य को

मजबूत करता है और इसका नेतृत्व समाज, विशेषकर युवाओं को करना चाहिए। देश के युवा स्वदेशी, स्वभाषा और स्वभूषा को बढ़ावा देकर देश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सहभागिता करें। आजादी के बाद पश्चिमी मॉडल अपनाया- सांसद श्री कुलस्ते ने कहा देश की आजादी के बाद की सरकारों ने पश्चिमी मॉडल और आयात पर निर्भर मिश्रित अर्थव्यवस्था अपनाई, स्वदेशी को प्रोत्साहन नहीं दिया, वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद स्वदेशी को बढ़ावा दिया गया। वर्ष 2014 से पहले हमारी सेनाओं को बुलेट प्रूफ जैकेट तक विदेशों से मंगाई जाती थी। सांसद श्री कुलस्ते ने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

## सेंट अलॉयसियस कॉलेज में ईडी फेस्ट का आयोजन किया गया

जबलपुर।

सेंट अलॉयसियस कॉलेज की उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ द्वारा अंडर 25 जो जेरोधा स्टॉक एंड फाइनेंस कंपनी द्वारा संचालित है, में ईडी फेस्ट का आयोजन किया गया।

पहले दिन अंडर 25 की टीम द्वारा ई समिट का आयोजन किया गया, जिसमें स्टैंडअप कॉमेडियन प्रवित्त अरोरा, गायक दिव्यांश खन्ना और मनोवैज्ञानिक अरूबा कबीर शामिल थे। मंच संचालन मुंबई कॉलेज से सानिया ने किया। बंगलौर से आई अंडर 25 टीम ने पहली बार जबलपुर के किसी कॉलेज के साथ मिलकर यह कार्यक्रम किया। दूसरे दिन आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से एनईसी (N.E.C) के लिए इलुमिनेट वर्कशॉप आयोजित की गई, जिसमें अरोबा कबीर पटान, फाउंडर, एनसो



वेलनेस, हृदयेश राय, फाउंडर, केचुआ ऑर्गेनिक्स और रिया सरीन, एडमिशन शाला पुणे मुख्य वक्ता थे। प्रकोष्ठ की इस उपलब्धि पर प्रिंसिपल डॉ. जे. बेन एंटन रोज ने डॉ आशु जैन एवं समस्त प्रकोष्ठ को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राध्यापकगणों तथा डॉ रीता, डॉ सुरभि, डॉ अमिता, काजल, जागृति, वैनिशा का सहयोग रहा। छात्र मंडल से प्रिंसी तिवारी, इत्यादि का सहयोग रहा।



## अयोध्यावासी महिला मंडल ने सुन्दर कांड का आयोजन किया

जबलपुर। अयोध्यावासी महिला मंडल की कार्यकर्ता भावना गुप्ता ने बताया कि उजापुरवा स्थिति अयोध्यावासी समाज द्वारा निर्मित किए गए मंदिर में सुन्दर कांड का आयोजन समाज की महिलाओं के द्वारा पूरी श्रद्धा के साथ किया गया। सभी के द्वारा भगवान श्रीराम की आरती की गई और सभी को प्रसाद दिया गया। आयोजक भावना गुप्ता ने सभी महिला मंडल की महिलाओं का कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया और अपने आराध्य श्री राम का आशीर्वाद प्राप्त किया।



## एनएमएस छात्रवृत्ति चयन परीक्षा में 6271 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

जबलपुर। राष्ट्रीय मेरिट कम मॉस छात्रवृत्ति योजना चयन परीक्षा 12 अक्टूबर को जिले के 21 परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्वक संपन्न हुई। कुल 6710 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 6271 (93.5%) ने परीक्षा में सहभागिता की। यह परीक्षा कक्षा 8 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 9 से 12 तक 1000 प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाएगी। पात्रता हेतु कक्षा 10 में 60% अंक एवं नवमी से बारहवीं तक प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी एवं परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। परीक्षा के सफल आयोजन में शिक्षकों और अधिकारियों का सराहनीय योगदान रहा।



## सुनील श्रीवास्तव बने प्रदेश महामंत्री, कायस्थ महासभा ने किया सम्मानित

जबलपुर। सुनील श्रीवास्तव को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा म.प्र. के प्रदेश महामंत्री बनाए जाने पर उनका अभिनंदन अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव, डॉ. रेनु श्रीवास्तव, भानु श्रीवास्तव, विवेक खरे, ममता श्रीवास्तव, योगेश श्रीवास्तव, नवनील श्रीवास्तव, विजय खरे, नीलेश भटनागर आदि ने पुष्पगुच्छ भेंट कर करते हुए अखिल भारतीय कायस्थ महासभा केन्द्रीय पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

## महाकौशल क्षेत्र के रोटेरियन हुए सम्मानित, पुरुषार्थ का हुआ अभिनंदन

जबलपुर। रोटी डिस्ट्रिक्ट 3261 की 'अभिनंदन' अवार्ड सेरेमनी के तहत जबलपुर में महाकौशल क्षेत्र के रोटेरियन का सम्मान किया गया। प्रांतपाल अखिल मिश्र ने कहा, "व्यक्ति का नहीं, उनके पुरुषार्थ का अभिनंदन है।" मंडला, बालाघाट, दमोह, नरसिंहपुर, गाडरवारा, नैनपुर और जबलपुर के रोटेरियन को सम्मानित किया गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

## नर्मदाजल परियोजना में मौत का खेल मजदूरों की जान से निर्मम खिलवाड़!

पनागर। क्षेत्र की ग्राम पंचायत महगवां टगर में नर्मदा जनपद जल परियोजना के अंतर्गत निर्माणधीन पानी की टंकी पर हो रहा कार्य अब मौत का खेल बन चुका है। परियोजना स्थल पर सुरक्षा नियमों की घोर अवहेलना करते हुए मजदूरों को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के ऊंचाई पर काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। ना सेफ्टी बेल्ट, ना हेलमेट, ना किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था मजदूरों की जिंदगी को मानो सस्ता और फेंकने योग्य साधन समझ लिया गया है। परियोजना स्थल की यह भयावह स्थिति हर पल किसी बड़े हादसे की आशंका को जन्म दे रही है। सूत्रों के अनुसार परियोजना के मैनेजर मदन मोहन ने असेंवेदनशील और अमानवीय बयान देते हुए कहा कि "जब मौत आती है, तो जाति या धर्म पूछकर नहीं आती।" यह कथन न केवल उनकी निर्ममता और गैरजिम्मेदारी को उजागर करता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि मजदूरों की सुरक्षा इस परियोजना के लिए कोई मायने नहीं रखती। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार और प्रबंधन के बीच भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी और मिलीभगत का खेल चल रहा है। लाभ की लालच में सुरक्षा नियमों को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। मजदूरों की जान के साथ यह निर्मम खिलवाड़ किसी अपराध से कम नहीं स्थानीय नागरिकों में गहरा आक्रोश और असंतोष व्याप्त है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि नर्मदा जल परियोजना की निष्पक्ष



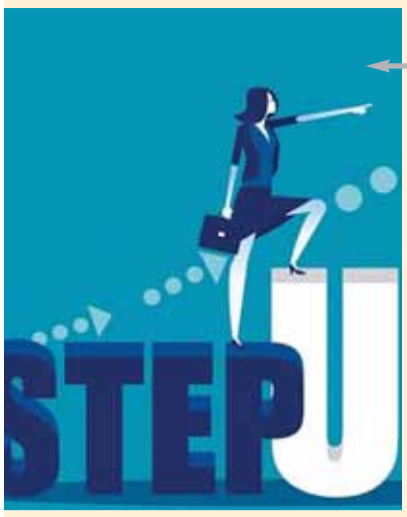
जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों व ठेकेदारों पर कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो यह परियोजना किसी दिन जनहनि की बड़ी त्रासदी में बदल जाएगी।

**हरिभूमि** विजय/शोक/उत्सव, चमड़ी रम, पुष्पवर्षि

संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

उपपत्र	विजय संदेश	100 से.मी.	दैनिक/सप्ताह	300/-
पत्र	विजय संदेश	100 से.मी.	दैनिक	400/-
पत्र	विजय संदेश	100 से.मी.	दैनिक	1300/-

सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग-9303108294, 9407362160



**स्टेप अप एसआईपी : बच्चे की पूरी पढ़ाई फ्री, फिर भी 50 लाख बचेंगे**

**भविष्य बिजनेस डेस्क**

**अ**गर आपको भी बच्चे की पढ़ाई और अन्य खर्च से समय रहते मुक्ति पानी है तो आपके लिए स्टेप अप एसआईपी एक अहम निवेश का विकल्प साबित हो सकती है। इसके जरिये निवेश करने से आपको बड़ी राहत मिलेगी। स्कूल की बढ़ती फीस और हायर एजुकेशन की चिंता अक्सर अभिभावकों को सताती है। निवेश के जानकारों का कहना है कि समय रहते इस पर ध्यान दिया जाए तो इस टैशन को 'बाय-बाय' कहा जा सकता है। इसके लिए आपको एसआईपी के जरिये निवेश करना होगा और इसे बढ़ाते जाना होगा। यह योजना आपके बच्चे की शिक्षा का खर्च उठा सकती है। साथ ही, बच्चे के 22 साल का होने तक आपके पास 50 लाख रुपये से ज्यादा बच सकते हैं। इसके लिए आपको बच्चे के जन्म से हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करनी होगी। इसे 10 साल तक हर साल 10% बढ़ाना होगा। 10 साल बाद कॉम्प्लिशन बंद कर देना है। फिर बच्चे की 10 से 22 साल की उम्र तक हर महीने 25,000 रुपये निकालने हैं। यह सब बिना किसी एजुकेशन लोन के करती है। यह सब बिना किसी एजुकेशन लोन के संभव है।

**यह दिया सुझाव**  
99% माता-पिता बिना किसी स्कॉमि के स्कूल फीस पर लाखों रुपये खर्च करते हैं। क्या हो अगर 10 साल की एसआईपी आपके बच्चे की शिक्षा को लाभानुभव मुक्त में फंड कर सकें... और फिर भी उनके सपनों के लिए लाखों छोड़ जाएं? उन्होंने एक स्टैप-अप एसआईपी स्ट्रेटजी का सुझाव दिया है। यह स्ट्रेटजी महंगे एजुकेशन लोन को जगह ले सकती है। यह लंबी अवधि की वित्तीय योजना है।

**कैसे काम करती है स्कॉमि?**  
यह योजना इस तरह काम करती है। जब आपका बच्चा पैदा हो तब हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करें। अगले 10 सालों तक हर साल एसआईपी की राशि को 10% बढ़ाएं। 10 साल पूरे होने के बाद एसआईपी में पैसा डालना बंद कर दें। जब बच्चा 10 साल का हो जाए तब से 22 साल का होने तक हर महीने 25,000 रुपये निकालें। यह पैसा बच्चे की फीस के लिए होगा। इस योजना में 12% सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) मानी गई है।

**क्या है पूरा गणित?**  
निवेश के गणित के अनुसार, आप 10 साल में कुल 19.12 लाख रुपये का निवेश करेंगे। तब तक यह राशि बढ़कर 32.69 लाख रुपये हो जाएगी। अगले 12 सालों में आप एजुकेशन के लिए कुल 36 लाख रुपये निकालेंगे। इसके बावजूद आपके खाते में 51 लाख रुपये बचे रहेंगे। उन्होंने कहा, 'पैसे निकालते समय भी कंपाउंडिंग काम करती है।' इसका मतलब है कि बचा हुआ पैसा बढ़ता रहता है। इससे मुगलान के दौरान भी धन बढ़ता रहेगा।

**दंग कर देने वाले रिजल्ट**  
इस योजना की तुलना एजुकेशन लोन से करें। 36 लाख रुपये के एजुकेशन लोन पर 11% ब्याज दर से 10 साल के लिए इंसुरेन्स लागू 50,000 रुपये प्रति माह होगी। यह एसआईपी से निकाली गई राशि से दोगुना है। इसमें ब्याज का भारी बोझ भी होता है। कौशिक ने कहा कि यह रणनीति आपकी आय वृद्धि से मेल खाती है। उन्होंने बताया, '10 हजार रुपये महीने से शुरू करें और 10वें साल तक आप सालाना 2.8 लाख रुपये का निवेश कर रहे होंगे जो प्रमोशन और वेतन वृद्धि के अनुरूप है।' उनके कुछ सुझाव भी हैं। काम लागत वाले इंडेक्स फंड का उपयोग करें। आपात स्थितियों के लिए हमेशा कुछ लिक्विडिटी बनाए रखें। अपनी प्रगति की सालाना समीक्षा करते रहें। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, '10 साल के लिए एक अनुश्रुति, स्टैप-अप एसआईपी एक दशक के ओवरटाइम से कहीं ज्यादा कर सकती है।' यह तनाव-मुक्त और स्मार्ट कंपाउंडिंग का तरीका है।

## एफडी साइलेंट वेल्थ ट्रेप, सिर्फ इससे ही नहीं बन पाओगे अमीर

**सुझाव बिजनेस डेस्क**

**अ**गर आप फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश को ही असली निवेश समझते हैं तो आप गलत हो सकते हैं। एक एक्सपर्ट ने एफडी को 'साइलेंट वेल्थ ट्रेप' बताया है। यानी एक ऐसा जाल जिसमें आप अमीर बनने के लिए जाते हैं, लेकिन अंत में फंस जाते हैं। क्योंकि सिर्फ एफडी में निवेश करके अमीर नहीं बना जा सकता। एक्सपर्ट ने इसका कारण भी बताया है। जानकारों का कहना है कि बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ एफडी में निवेश करना सही नहीं है। उन्होंने उन लोगों को भी चेतावनी दी है जो एफडी में निवेश को ही असली निवेश समझ लेते हैं। वह बताते हैं कि यह जाल तब बनता है जब लोग अपना ज्यादातर पैसा एफडी में रखते हैं। वे महंगाई के असर और पैसे बढ़ाने को नजरअंदाज कर देते हैं। एफडी में आपका पैसा तो सुरक्षित रहता है, लेकिन आपको रिटर्न बेहद कम मिलता है। इसलिए सिर्फ एफडी के भरोसे नहीं रहें। निवेश के लिए एसआईपी जैसे विकल्प भी तलाशें।



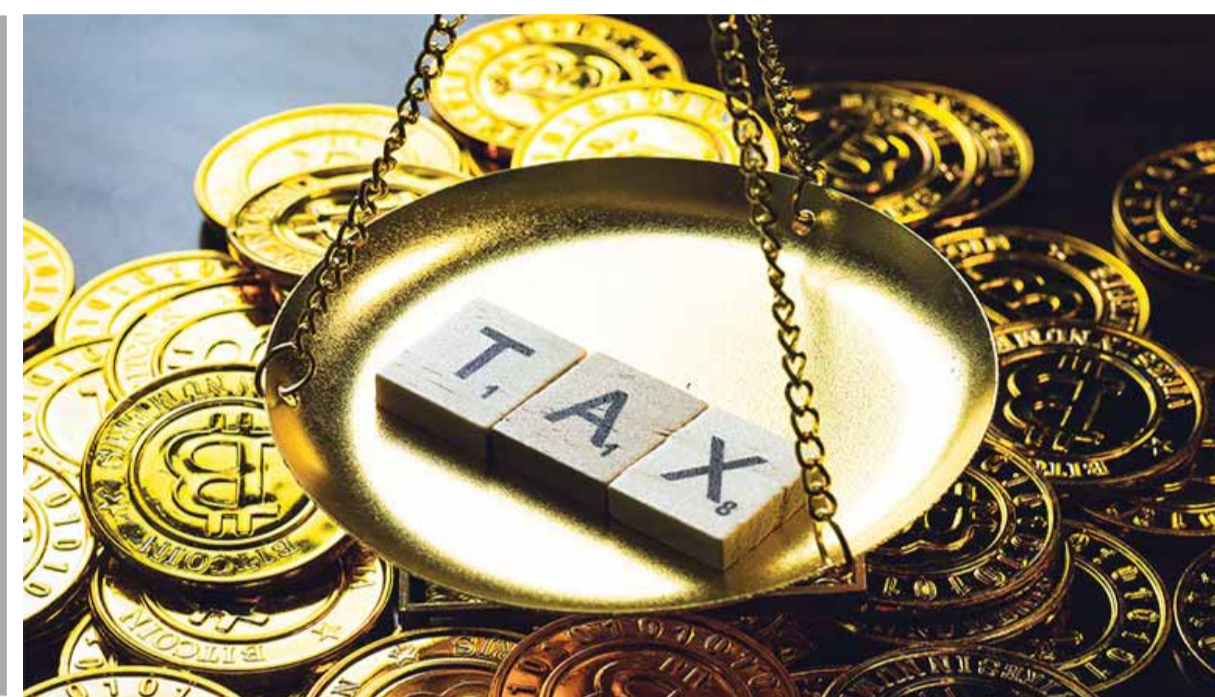
### निवेश मंत्रा बिजनेस डेस्क

■ सीए ने निवेशकों को बचाना क्रिप्टोकॉरेसी से होने वाले नफे-नुकसान का गणित  
■ क्रिप्टोकॉरेसी में निवेश करते हैं तो इस पर लगने वाले टैक्स के

**दे**श में कई सालों से लोग क्रिप्टोकॉरेसी में निवेश कर रहे हैं। कई तो इससे मोटा मुनाफा भी कमा चुके हैं और कई अपनी जमापूजी गंवा चुके हैं। लेकिन अब सरकार ने क्रिप्टोकॉरेसी में निवेश के नियम कड़े कर दिए हैं। क्रिप्टोकॉरेसी में होने वाली कमाई पर 30 फीसदी का टैक्स लागू है। खास बात यह है कि आपने क्रिप्टोकॉरेसी में 100 रुपये का प्रॉफिट कमाया और बाद में उसे इसी एसेट्स में गंवा दिया तो भी आपको 30 रुपये टैक्स देना होगा। पिछले कुछ सालों में क्रिप्टोकॉरेसी में निवेश का चलन काफी तेजी से बढ़ा है। वहीं पिछले साल डॉनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जीता था। तब से क्रिप्टो में और तेजी देखने को मिली है। इसे देखते हुए अब काफी भारतीय बिटकॉइन, इथेरियम, बाइनर्स, डॉगकॉइन आदि क्रिप्टोकॉरेसी में निवेश करने लगे हैं। चूंकि क्रिप्टोकॉरेसी पर किसी भी सरकार का केंद्रीय बैंक का कंट्रोल नहीं है, ऐसे में इसमें होने वाले प्रॉफिट पर भारत में टैक्स से जुड़े नियम काफी सरल हैं। दरअसल, क्रिप्टोकॉरेसी में टैक्स का नियम कुछ ऐसा है कि इसमें पैसे कमाने पर ही नहीं बल्कि पैसे गंवाने पर भी इनकम टैक्स चुकाना पड़ सकता है। फिर चाहे आपका पूरा पोर्टफोलियो घाटे में ही क्यों ना चल रहा हो। भारत के सख्त क्रिप्टो टैक्स नियमों के तहत, निवेशकों को हर रुपये के मुनाफे पर प्लेट 30% टैक्स देना होता है, भले ही कुल मिलाकर नुकसान हुआ हो। एक्सपर्ट का कहना है कि यह सिस्टम दुनिया के सबसे कठोर नियमों में से एक है, जिससे भारतीय क्रिप्टो निवेशकों को राहत मिलने की गुंजाइश बहुत कम है। इस टैक्स सिस्टम को लेकर एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) ने अपनी राय रखी और क्रिप्टोकॉरेसी निवेशकों को अगाह किया है कि इसमें सौच समझकर ही निवेश करें, वरना यह घाटे का सौदा हो सकता है।

# 100 रुपये प्रॉफिट कमाने के बाद 100 रुपये गंवाने पर भी चुकाने होंगे 30 रुपये क्रिप्टो नहीं, टैक्स का मायाजाल पैसे गंवाए तो भी देना होगा कर

अगर आप बाजार में शॉर्ट टर्म निवेश करना चाहते हैं तो आपके कुछ स्कॉमि बाजार में मौजूद हैं। इनमें रिटर्न भी बढ़िया मिलता है इसे लिक्विड फंड के नाम से जाना जाता है। ऐसे निवेश में पैसा उन सिक्वोरिटीज में निवेश करते हैं, जिनकी मैच्योरिटी 91 दिनों से अधिक नहीं होती है। निवेशकों का पैसा इसके जरिए मनी मार्केट, शॉर्ट टर्म कॉरपोरेट डिपॉजिट और ट्रेजरी में लगाया जाता है।



**क्रिप्टो टैक्सेशन की बताई सच्चाई**  
एक सीए ने सोशल मीडिया पर क्रिप्टो टैक्सेशन की सच्चाई बताई है। उन्होंने पोस्ट के जरिए मेसेज दिया है कि मले ही आपने क्रिप्टो में 100 रुपये गंवाए हों, आपको 30 रुपये टैक्स के रूप में चुकाने पड़ सकते हैं। उन्होंने समझाया कि मान लीजिए कि आपने एक ही वित्तीय वर्ष में बिटकॉइन पर 100 रुपये का मुनाफा कमाया, लेकिन इथेरियम पर 200 रुपये का नुकसान उठाया। किसी भी दूसरे निवेश में आपको कुल 100 रुपये का नुकसान होगा। लेकिन क्रिप्टो में ऐसा नहीं है। बिटकॉइन से हुई 100 रुपये की कमाई पर आपको 30% यानी 30 रुपये टैक्स के रूप में चुकाने होंगे। फिर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इथेरियम या किसी दूसरी क्रिप्टो से आपको कितना नुकसान हुआ है। ऐसे में आपको कुल 130 रुपये

**क्या है क्रिप्टो से जुड़े नियम**  
■ आयकर अधिनियम की धारा 115बीबीएच के तहत क्रिप्टो एसेट्स के लिए कुछ खास और कड़े नियम हैं।  
■ नुकसान की भरपाई नहीं (आप एक क्रिप्टो नुकसान को दूसरे मुनाफे से नहीं काट सकते हैं।)  
■ नुकसान आगे नहीं ले जा सकते (इसे समायोजित नहीं कर सकते।)  
■ अधिग्रहण की लागत को छोड़कर

क्रिप्टो टैक्स के तहत क्रिप्टो एसेट्स के लिए कुछ खास और कड़े नियम हैं।  
■ इथेरियम पर 200 रुपये के नुकसान को अनादेश कर दिया जाएगा और बिटकॉइन पर हुए 100 रुपये के मुनाफे पर 30% यानी 30 रुपये टैक्स देना होगा।  
■ कुल मिलाकर 130 रुपये का नुकसान होगा। यहां तक कि ट्रेडिंग फीस, गैस

## दिवाली बोनस का करें सही इस्तेमाल कर सकते हैं अपने लिए बड़ी बचत

'बोनस को बांटने की प्रक्रिया में परिवार को जरूर शामिल करें, ताकि हर कोई मस्ती और अनुशासन के बीच बैलेंस समझें।' इस तरह समझदारी से खर्च और स्मार्ट निवेश के साथ आपका दिवाली बोनस न सिर्फ त्योहार को खास बनाएगा, बल्कि आपके भविष्य को भी बेहतर बनाने के काम आ



**सेलिब्रेशन के लिए बजट बनाएं**  
त्योहार की सुशो फाइनेंशियल टैशन में न बदल जाइए इसके लिए सही बजट बनाना जरूरी है। 'पहले अंदाजा लगाएं कि त्योहार में कितना खर्च होगा-गिफ्ट्स, घूमने-फिरने, सजावट, ट्रैवल और धार्मिक रस्मों पर। इस खर्च को अपने बोनस और रेगुलर इनकम के साथ मिलाकर देखें। इससे आपको एक फिक्स्ड बजट मिलेगा और आप बाकी पैसों को पहले ही निवेश में डालकर अपने गोलस को प्रायोरिटी दे सकते हैं।

**स्मार्ट तरीके से सेलिब्रेट करें**  
त्योहारों में ओवरस्पेंडिंग का खतरा हमेशा रहता है। 'बोनस को 'एक्स्ट्रा' पैसा समझकर फूंक न दें।' क्रेडिट कार्ड या परसनल लोन लेकर शॉपिंग करना तो बिल्कुल अवांछित करें, क्योंकि इनके इंटरैस्ट रेट्स बहुत ज्यादा होते हैं और ये कर्ज के जाल में फंसा सकते हैं। बिना कर्ज के सेलिब्रेशन के लिए क्रिप्टिव तरीके अपनाएं। 'पॉटलक गैदरिन्स करें, दीया डेकोरेशन बनाएं या अर्ली-बर्ड ट्रैवल डीलस का फायदा उठाएं।

**हाई-इंटरैस्ट कर्ज चुकाएं**  
अपने बोनस का कुछ हिस्सा क्रेडिट कार्ड के बिल, परसनल लोन या किसी भी हाई-इंटरैस्ट कर्ज को चुकाने में लगाएं। इससे भविष्य में आपका पैसा बचेगा। 'सबसे पहले अपने कर्ज की लिस्ट बनाएं, सबसे ज्यादा इंटरैस्ट वाले कर्ज को पहले चुकाएं। यहां तक कि आंशिक पेमेंट भी लोन की अवधि और टोटल इंटरैस्ट को कम कर सकता है। अगर आपके पास महंगा कर्ज है, तो नए निवेश से पहले इसे चुकाना प्रायोरिटी होनी चाहिए।

**निवेश की स्ट्रेटजी**  
निवेश के लिए ऑपेशन आपकी जरूरतों पर निर्भर करते हैं। '3 साल से कम की अवधि के लिए लिक्विड फंड्स या रिफरिंग डिपॉजिट्स में निवेश करें। मीडियम से लॉन्ग-टर्म के लिए डायवर्सिफाइड इक्विटी म्यूचुअल फंड्स या इंडेक्स फंड्स चुनें। अपने पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन के लिए सोवरेन गोल्ड बॉन्ड्स या गोल्ड ईटीएफ भी जोड़ सकते हैं। महत्वपूर्ण है कि रिटर्न और लिक्विडिटी में बैलेंस बनाएं, ताकि आपका शॉर्ट-टर्म पैसा रिस्क में न आए। दिवाली बोनस आपके फाइनेंशियल गोलस को तेजी से पूरा करने का मौका है। बोनस या तो एक हफ्ते की शॉपिंग में खर्च हो सकता है या सालों तक आपके लिए काम कर सकता है। इसे

### क्या है क्रिप्टोकॉरेसी

- क्रिप्टोकॉरेसी एक डिजिटल या वर्चुअल मुद्रा है जो कंप्यूटर नेटवर्क पर सुरक्षित और विकेंद्रीकृत तरीके से काम करती है। यह पारंपरिक मुद्राओं की तरह नहीं है, जो सरकारों द्वारा नियंत्रित और जारी की जाती है।
- विशेषताएं**
- विकेंद्रीकृत : क्रिप्टोकॉरेसी किसी एक केंद्रीय प्राधिकरण द्वारा नियंत्रित नहीं होती है।
  - डिजिटल : यह पूरी तरह से डिजिटल रूप में मौजूद होती है।
  - क्रिप्टोग्राफी : सुरक्षा के लिए क्रिप्टोग्राफिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।
  - ब्लॉकचेन : अधिकांश क्रिप्टोकॉरेसी ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित होती है।
  - सीमित आपूर्ति : कई क्रिप्टोकॉरेसी की आपूर्ति सीमित होती है।

- प्रमुख क्रिप्टोकॉरेसी**
- बिटकॉइन : पहली और सबसे प्रसिद्ध क्रिप्टोकॉरेसी।
  - एथेरियम : स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए जानी जाती है।
  - रिपल : अंतर्राष्ट्रीय मुगलान के लिए उपयोग।
  - लाइटकॉइन : बिटकॉइन का एक वैकल्पिक।
  - कार्डानो : शोध-आधारित ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म।

- उपयोग**
- डिजिटल मुगलान: ऑनलाइन लेनदेन के लिए।
  - निवेश: कई लोग क्रिप्टोकॉरेसी में निवेश करते हैं।
  - विकेंद्रीकृत अनुप्रयोग : एथेरियम जैसे प्लेटफॉर्म पर।
  - सीमापार लेनदेन: पारंपरिक तरीकों की तुलना में तेज और सस्ता।

- जोखिम**
- अस्थिरता: कीमतें बहुत तेजी से बदल सकती हैं।
  - सुरक्षा जोखिम: हैकिंग और चोरी का खतरा।
  - नियामक अनिश्चितता: विभिन्न देशों में नियम अलग-अलग हैं।
  - घोटाले फ्रॉड और स्कैम का खतरा।
  - तकनीकी जोखिम: तकनीकी समस्याएं आ सकती हैं।

## 'फंड ऑफ फंड्स' में करें निवेश, दोनों हाथों में रहेंगे लड्डू

**बिजनेस डेस्क**

सोना और चांदी की कीमत इस समय रॉकेट की रफ्तार से भाग रही है। वहीं, फेस्टिव सीजन के कारण इसकी कीमत में और तेजी आ सकती है। अगर आप धनतेरस पर सोना और चांदी दोनों में निवेश करना चाहते हैं तो 'कॉम्बो फंड ऑफ फंड्स' एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकते हैं। दरअसल, इस समय म्यूचुअल फंड कंपनियां निवेशकों को दोनों धातुओं में आसानी से निवेश करने का मौका दे रही हैं। इसके लिए वे ड्युअल-एसेट पैसिव फंड्स (एसेट फंड जो सोने और चांदी दोनों में निवेश करते हैं) लॉन्च कर रही हैं। पिछले साल में सोने की कीमत करीब दोगुनी हो गई है। वहीं, औद्योगिक मांग और सप्लाय में कमी के कारण चांदी भी तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में निवेशक महंगाई में सोने और अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए गोल्ड और सिल्वर फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) की ओर रुख कर रहे हैं।

**अलग-अलग निवेश की जरूरत नहीं**  
ड्युअल-एसेट पैसिव फंड्स में निवेश के बाद सोना और चांदी, दोनों में अलग-अलग निवेश करने की जरूरत नहीं पड़ती। यानी आप फिजिकल सोना-चांदी खरीदें या अलग-अलग ईटीएफ में निवेश किए बिना दोनों की तेजी का फायदा उठा सकते हैं। इस नई कैटेगरी में चार बड़े फंड्स सामने आए हैं। इनमें कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ, निराए एसेट गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ, एडलवाइस गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ और मोतीलाल ओसवाल गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ शामिल हैं।

**1. कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ**  
● यह फंड 20 अक्टूबर 2025 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला है। निवेशक सिर्फ 100 से निवेश शुरू कर सकते हैं।  
● इसका मकसद कोटक गोल्ड ईटीएफ और कोटक सिल्वर ईटीएफ में निवेश करके लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न कमाना है।  
● यह एफओएफ एक खास क्वांटिटीटिव मॉडल का इस्तेमाल करता है। यह मॉडल सोने और चांदी की कीमतों के उतार-चढ़ाव के आधार पर अनुपात बदलता रहता है। इस फंड का एक्सपोजे रेशियो 0.18% है और 7 अक्टूबर 2025 तक इसका एयूएसए (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट) फंड में कुल जमा राशि 67 करोड़ रुपये था।

**2. निराए एसेट गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ**  
इस फंड में शुरुआत में 50:50 का आवंटन होता है, लेकिन सोने-चांदी के अनुपात (गोल्ड-सिल्वर रेशियो) व महंगाई, ग्लोबल ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती जैसे बड़े आर्थिक संकेतकों के आधार पर यह अनुपात बदलता रहता है। इस फंड का एक्सपोजे रेशियो 0.18% है और 7 अक्टूबर 2025 तक इसका एयूएसए (एसेट्स अंडर मैनेजमेंट) फंड में कुल जमा राशि 67 करोड़ रुपये था।

**3. एडलवाइस गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ**  
यह फंड सितंबर 2022 में लॉन्च हुआ था। यह भारत का सबसे पुराना ड्युअल-एसेट फंड है और हाल के दिनों में धातुओं की तेजी से इसने काफी फायदा उठाया है। इसमें 500 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। यह फंड सोने और चांदी में लगभग बराबर इन्वेस्टमेंटी रकमत है यानी 49.98% सोने में और 49.83% चांदी में। फंड ने पिछले एक साल में 57.9% का रिटर्न दिया है और पिछले तीन सालों में सालाना 31.97% का रिटर्न दिया है।

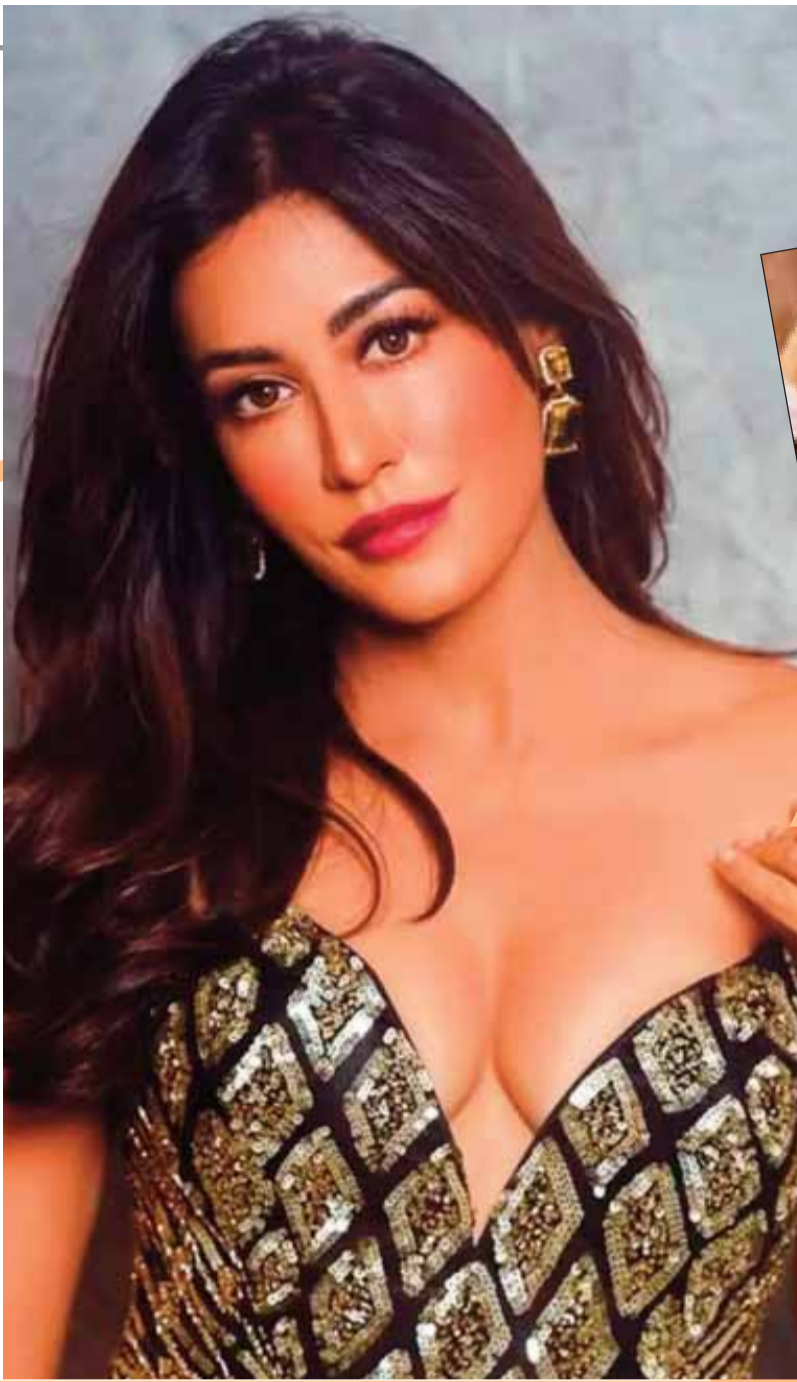
**4. मोतीलाल ओसवाल गोल्ड एंड सिल्वर ईटीएफ एफओएफ**  
यह फंड अक्टूबर 2022 में लॉन्च हुआ था और इसने पिछले दो सालों में एक मजबूत ट्रेंड रिकॉर्ड बनाया है। यह फंड 69.34% आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ में और 30.17% म्यूचुअल इंडिया सिल्वर ईटीएफ में निवेश करता है। इसका एयूएसए 244.32 करोड़ रुपये हैं, एक्सपोजे रेशियो 0.15% है और कोई एक्जिट लोड नहीं है।





## चैपियन गिरता है... पर रुकता नहीं : कार्तिक

मुंबई। कार्तिक आर्यन ने 'चंदू चैपियन' के लिए अपना पहला फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार जीतने के बारे में खुलकर बात की। वहीं, कार्तिक आर्यन को फिल्मफेयर में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीतते देख कबीर खान को गर्व महसूस हुआ। कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम हैडल पर फिल्मफेयर के दौरान की कई तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही उन्होंने लिखा, 'चैपियन गिरता है।... पर रुकता नहीं।' कार्तिक ने बताया यह पल उनके लिए सपने जैसा है। उन्होंने फिल्म के निर्देशक कबीर खान, निर्माता साजिद नाडियाडवाला और वर्दा खान नाडियाडवाला और पूरी टीम को धन्यवाद दिया।



## हॉलीवुड मसाला

### गॉडफादर की रहीं थीं स्टार...



लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की मशहूर और ऑस्कर विजेता अभिनेत्री डायन कीटन का 79 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। कीटन को उनकी फिल्मों एनी हॉल, द गॉडफादर और फादर ऑफ द ड्राइव के लिए जाना जाता है। उनके अलावे अंदाज, जीवंत व्यक्तित्व और अभिनय की गहराई ने उन्हें अपनी पीढ़ी की सबसे अलग अभिनेत्रियों में से एक बना दिया। कीटन का निधन हॉलीवुड और दुनिया भर के फिल्म प्रेमियों के लिए एक बड़ा सदमा है। उनके उम्रमित्र और यादगार अभिनय ने फिल्मों को समय के पार स्थायी और प्रतिष्ठित बनाया।

## लाइफ Style

## चित्रांगदा

### हर कोई जवान दिखने की कोशिश कर रहा

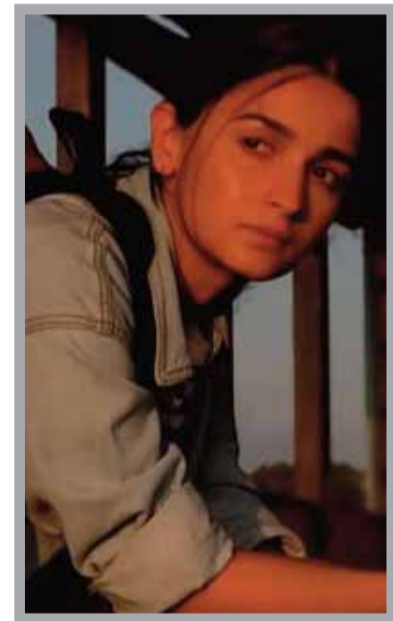
एजेसी मुंबई

अभिनेत्री ने कहा 'यह सबके लिए है। अगर आप 70 साल की महिला का किरदार निभा रही हैं, तो आपको वैसा ही दिखना चाहिए। अगर आप 30 साल की उम्र की भूमिका निभाना चाहती हैं, तो आपको उसे निभाना आना चाहिए।' चित्रांगदा सिंह का कहना है कि 'निर्माताओं का ऐसा सोचना जायज है। पुरुष अभिनेताओं के लिए भी यही बात लागू होती है। अक्की (अक्षय कुमार) अपनी फिटनेस पर ध्यान देते हैं, अपने खान-पान पर ध्यान देते हैं। बेशक, जब किसी पुरुष अभिनेता का किरदार लिखा जाता है, तो महिला किरदार के बजाय ज्यादा लचीलापन होता है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई पक्षपात है। वे फिल्म को आगे बढ़ाते हैं।' चित्रांगदा सिंह ने आगे कहा 'समय बहुत बदल गया है। करीना कपूर कमाल का काम कर रही हैं। विद्या (बालन) बहुत काम कर रही हैं। ये सभी कलाकार अभी भी स्क्रीन पर अपनी अच्छी उपस्थिति बनाए हुए हैं। जहां तक एक खास तरह का दिखने के दबाव की बात है, निकोल किडमैन, डेमी मूर को ही देख लीजिए, हर कोई (जवान दिखने की) कोशिश कर रहा है, आपको भी यह कोशिश करनी होगी। बेशक कलाकारों को हर चीज में दबाव का सामना करना पड़ता है।'

हॉलीवुड में अभिनेताओं की बढ़ती उम्र हमेशा से बहस का विषय रही है। पुरुष अभिनेता फिल्मों में अपने से काफी छोटी उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करते रहते हैं। ऐसे में क्या महिला अभिनेत्रियों को अपनी उम्र बढ़ने से रोकने का दबाव महसूस होता है? इस पर चित्रांगदा सिंह ने अपनी बात रखी है।

## अवॉर्ड मिलने पर हुई इमोशनल

मुंबई। फिल्म जिगरा आलिया भट्ट के दिल के बहुत करीब है। यह उनकी पहली एक्शन ड्रामा फिल्म थी। इस फिल्म में आलिया का उम्दा अभिनय और एक्शन दृश्यों ने देखा। शनिवार को फिल्म जिगरा के लिए ही आलिया भट्ट को फिल्मफेयर अवॉर्ड 2025 में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। वह अवॉर्ड फंक्शन में शामिल नहीं हो पाईं। लेकिन, आलिया ने एक स्पेशल पोस्ट इस अवॉर्ड और फिल्म 'जिगरा' की टीम के लिए की है। आलिया भट्ट अपनी पोस्ट में लिखती हैं, 'फिल्म 'जिगरा' मेरे दिल के सबसे करीब रहेगी। सिर्फ उस कहानी के लिए नहीं, जो हमने सुनाई बल्कि उन बेहतरीन लोगों के लिए, जिन्होंने इसे यादगार बनाया। फिल्म के निर्देशक वसन बाला आपने इसे जिस तरह से बनाया है, उसके लिए। एक्टर वेदांग रैना और बाकी टीम ने जो इमानदारी दिखाई, उसके लिए शुक्रिया।



## बच्चों के साथ की खूब सारी मस्ती...

मुंबई। फिल्म 'सैयारा' की कामयाबी के बाद अहान पांडे सुखियों में हैं। उनकी हर हरकत पर फैंस की नजर रहती है। फैंस उनकी तस्वीरों और वीडियो का इंतजार करते हैं। हाल ही में, अहान पांडे ने सीताराम मिल कंपाउंड मुंबई पब्लिक स्कूल के छात्रों के साथ कुछ वक्त गुजारा। स्कूल में अहान का दिन अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। बच्चों के साथ उनकी मुस्कुराते हुए और उनके साथ कक्षा में भाग लेते हुए तस्वीरें सामने आई हैं। अहान बच्चों के साथ मस्ती भरी बातें करते और तस्वीरें खिंचवाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वह बच्चों के साथ जमीन पर बैठे हैं। उनके साथ चिल्लाते हैं और अपने हाथ से दिल बनाते हैं। उन्होंने कई बच्चों को अपना ऑटोग्राफ भी दिया है। सोशल मीडिया पर अहान की तस्वीरें और वीडियो आते ही फैंस ने लाइक करना और कमेंट करना शुरू कर दिया है।

## अमेरिका में रहकर भी भारतीय संस्कृति से लगाव

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री जुलिया रॉबर्ट्स ने हिंदूधर्म को लेकर हाल ही में एक बड़ा बयान दिया है। आध्यात्मिक सोच के लिए भी दुनियाभर में मशहूर हुई एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें हिंदू होने पर गर्व है। रॉबर्ट्स ने बताया कि उन्हें हिंदू धर्म से गहरी प्रेरणा मिली है और यही कारण है कि उन्होंने अपने बच्चों के नाम भी लक्ष्मी, गणेश और कृष्ण बलराम रखे हैं। जुलिया रॉबर्ट्स अमेरिका में जन्मी और पली-बढ़ी हैं, लेकिन भारत की आध्यात्मिक ग्रूमि ने उन्हें हमेशा आकर्षित किया है। उन्होंने पहली बार हिंदू दर्शन से परिचय फिल्म 'इंट प्लेव' की शूटिंग के दौरान भारत में कराया था। यहीं से उन्होंने हिंदू संस्कृति, पूजा-पाठ और ध्यान की विधियों को समझना शुरू किया। जुलिया रॉबर्ट्स ने एक इंटरव्यू में बताया कि हिंदू धर्म ने मानवता को जो अमूल्य धरोहर दी है- गीता, वेद, योग, ध्यान और आयुर्वेद।



## टीवी मसाला

### केबीसी के मंच पर बच्चे ने अमिताभ संग की बदतमीजी

नई दिल्ली। टीवी का फेमस विजय शो 'कौन बनेगा करोड़पति' हमेशा से ही दर्शकों का फेवरिट रहा है। इस शो का सीजन 17 भी इन दिनों सुखियों में बना हुआ है। इस विजय शो से अब तक कई कंटेस्टेंट मालामाल होकर जा चुके हैं। हर बार की तरह इस बार के 'कौन बनेगा करोड़पति' के इस सीजन को ऑडियंस काफी पसंद कर रहे हैं। शो को और भी खास बनाने के लिए होस्ट यानी महानायक अमिताभ बच्चन का खास अंदाज। कई कंटेस्टेंट तो पैसे से ज्यादा बिग बी की एक झलक पाने की चाह में आते हैं। ऐसे में शो का हलिया एपिसोड सुखियों में बना हुआ है। शो पर आए एक बच्चे की हरकत से बिग बी काफी खफा नजर आए। दरअसल, हलिया एपिसोड में 'कौन बनेगा करोड़पति' 17 के मंच पर अमिताभ के छोटे कक्षा के छात्र मयंक को सॉल्ट कर बैठे। हॉट सीट तक पहुंचने को लेकर मयंक काफी एक्साइटेटे दिखे। उनकी एक्साइटमेंट और उन्हें देखकर पहले तो लगता है कि वाकई मैं बच्चा काफी टैलेंटेड है। लेकिन जैसे-जैसे गेम शुरू होता है, उसके बात करने के तरीके से साफ पता चलता है कि वो अमिताभ बच्चन को कुछ समझ ही नहीं रहा है। अमिताभ बच्चन मयंक से पूछते हैं कि उन्हें कैसा लग रहा है तो इस पर मयंक ने कहा, 'मैं बहुत एक्साइटेटेड हूँ। लेकिन हम सीधे पॉइंट पर आते हैं। आप मुझे गेम के नियम बताते मत बैठ जाना, क्योंकि मुझे सारे रूल्स के बारे में पता है।' ये सुनते ही बिग बी ने उसे बिना कुछ कहे मुस्कुरा दिया। इसे बाद वो हर सवाल का जवाब देने इस पर बच्चन साहब मुस्कुराकर आगे बढ़ जाते हैं और खेल की शुरुआत करते हैं। ऐसे में अमिताभ ने बिग बी को बच्चे से सवाल करते हैं तो सवाल पूरा होने से पहले ही जवाब देने लगता है। ऐसे में एक-दो बार खुद महानायक उसकी हर हरकत को नजर अंदाज कर देते हैं। ऐसे में आखिर में उसका ओवरकॉन्फिडेंस उसे ले डूबता है। पांचवें प्रश्न पर आते ही वो आउट हो जाता है।



### सलमान की फटकार के बाद बदल सकता है कंटेस्टेंट का गेम

नई दिल्ली। बिग बॉस 19 को शुरू हुए डेढ़ महीने का समय हो चुका है। इस समय में ऑडियंस ने अपने फेवरिट कंटेस्टेंट को पसंद कर लिया है। सोशल मीडिया पर दोनों ग्रुप को लेकर पोस्ट वायरल हो रहे हैं। किसी को अमाल का गेम पसंद आ रहा है तो किसी को अभिषेक बजान और अश्वरू की जोड़ी। कुछ ऐसे भी जो ताब्या मितल की लक्जरी लाइफस्टाइल को पसंद कर रहे हैं। वहीं, उन्हें सोशल मीडिया पर टोल भी किया जा रहा है। लेकिन, इस वीकेंड के वार पर सलमान खान ने ताब्या समेत इन कई कंटेस्टेंट को फटकार लगाई है। कड़ियों की अपना गेम बदलने और सही दोस्त चुनने की सलाह दी है। ऐसे में उम्मीद है कि इस वीकेंड के वार के बाद कंटेस्टेंट का गेम बदलने वाला है। सलमान खान ने ताब्या को जबरदस्ती फटकार लगाई है। एक्टर ने कहा कि वो पहले दिन से ही विलेयर थीं कि उन्हें किसी दोस्त बनाना है और किसी नहीं।

### छोटे रोल से निराश हो गए थे सौरभ खत्म हो गई थी अभिनय में रुचि

मुंबई। 'जॉली एलएलबी 3' की रिलीज के बाद से लेखक और अभिनेता सौरभ शुक्ला सुखियों में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने जीवन के उस मुश्किल दौर के बारे में खुलकर बात की जब उनकी अभिनय में रुचि लगभग खत्म होने लगी थी। उन्होंने बताया कि एक दिन ऐसा भी था जब उन्हें फिल्मों में केवल छोटे-मोटे रोल ही मिलते थे, जिससे वह निराश हो जाते थे। हालांकि 'बर्फी' की शूटिंग के दौरान वह रणबीर कपूर से मिले और उनकी अभिनय में दोबारा मजा आने लगा। सौरभ शुक्ला ने अपने निराशाजनक दौर के बारे में बात की है। उन्होंने बताया कि जब 'बर्फी' के निर्देशक अनुराग बसु ने उनसे संपर्क किया तो उन्होंने लगभग फिल्म छोड़ने का फैसला कर लिया था। सौरभ ने कहा 'मैं रणबीर से बर्फी में मिला था। मैं उस समय बहुत ही निराश के दौर से गुजर रहा था। लोग कहते थे, 'सौरभ, तुम बहुत अच्छे एक्टर हो।' लेकिन जब रोल मिलते थे, तो हमेशा कैमियो होते थे। सौरभ ने आगे कहा 'मैं वाकई संघर्ष कर रहा था। इसलिए, मैंने लोगों को बताना शुरू कर दिया कि मैं एक्टिंग नहीं करता। मैं एक लेखक हूँ और मैंने फिल्म बनाई है। जब अनुराग ने मुझे यह फिल्म ऑफर की, तो मेरे पहले शब्द थे, 'अनुराग, अगर तुम्हारे पास मेरे लिए कुछ है, तो मुझे फोन करो।' इस पर अनुराग ने कहा 'सर, अगर मेरे पास आपके लिए कुछ नहीं होता, तो मैं आपको क्यों बुलाता?' उन्होंने मुझे वह फिल्म दी, जो वाकई कमाल की थी। सौरभ ने आगे कहा 'बर्फी में मेरी मुलाकात रणबीर से हुई। वह बहुत आकर्षक, जवान, बातों और सपनों से भरा हुआ था। मुझे उसके साथ बैठकर बहुत अच्छा लगा। हम दोनों में एक-दूसरे के लिए सम्मान था। अभिनय करते हुए वह कुछ करता और मुझे उससे कुछ मिलता।



### ऐश्वर्या पर अभिषेक का इमोशनल बयान, छलक आए आंसू

नई दिल्ली। अभिषेक बच्चन की फिल्म 'आई वॉन्ट टू टॉक' जिसने भी देखी, उसने उनके अभिनय की तारीफ की। आखिरकार, उन्हें पहली बार बेस्ट एक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। जीत की ट्रॉफी थामे अभिषेक बच्चन ने जब मंच पर बोलना शुरू किया, तो उनकी आंखों में आंसू छलक आए। उसने स्पीच में पत्नी ऐश्वर्या राय का जिक्र किया और फिर ट्रॉफी अपने पिता अमिताभ बच्चन और बेटी आराध्या बच्चन को डेडिकेट कर दी। अभिषेक बच्चन अपनी जीत से अभिभूत थे। ट्रॉफी थामने के बाद उनकी आंखों में आंसू थे। उन्होंने भरी आंखों से इमोशनल स्पीच दी, जिसने उनके हर एक चाहनेवाले को इमोशनल कर दिया। वे बोले, 'इस साल मुझे इंटरस्टी में काम करते हुए 25 साल पूरे हो गए हैं। मुझे याद नहीं कि मैंने कितनी बार इस अवॉर्ड को स्पीच के लिए प्रैक्टिस की है।' अभिषेक बच्चन ने आगे कहा, 'इसे जीतना मेरा सपना था और आज बहुत आभारी महसूस कर रहा हूँ। परिवार के सामने अवॉर्ड मिलना, इसे और खास बनाता है।' अभिषेक ने आखिर में कहा, 'मैं यह अवॉर्ड तो खास लोगों को डेडिकेट करना चाहता हूँ। यह फिल्म पिता और बेटी के बारे में है और मैं इसे अपने हीरो, मेरी पिता और अपने दूसरे हीरो, मेरी बेटी को डेडिकेट करना चाहता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद, मैं बता नहीं सकता, इसके मेरे लिए क्या मायने हैं।' अभिषेक ने फिर इमोशनल होते हुए पत्नी ऐश्वर्या राय और बेटी आराध्या बच्चन को याद किया। वे बोले, 'ऐश्वर्या और आराध्या से कहना चाहता हूँ- मुझे बाहर जाने और सपनों को पूरा करने की अनुमति देने के लिए शुक्रिया। मुझे उम्मीद है कि यह अवॉर्ड जीतने के बाद, वे अपना त्याग समझ पा रहे हैं जिसकी वजह से मैं आज यहां खड़ा हूँ।'



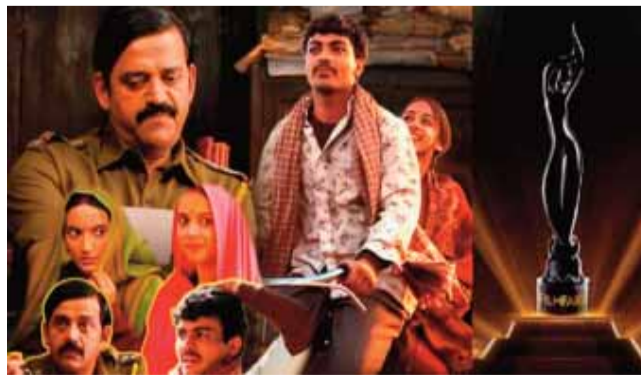
रहा हूँ। परिवार के सामने अवॉर्ड मिलना, इसे और खास बनाता है।' अभिषेक ने आखिर में कहा, 'मैं यह अवॉर्ड तो खास लोगों को डेडिकेट करना चाहता हूँ। यह फिल्म पिता और बेटी के बारे में है और मैं इसे अपने हीरो, मेरी पिता और अपने दूसरे हीरो, मेरी बेटी को डेडिकेट करना चाहता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद, मैं बता नहीं सकता, इसके मेरे लिए क्या मायने हैं।' अभिषेक ने फिर इमोशनल होते हुए पत्नी ऐश्वर्या राय और बेटी आराध्या बच्चन को याद किया। वे बोले, 'ऐश्वर्या और आराध्या से कहना चाहता हूँ- मुझे बाहर जाने और सपनों को पूरा करने की अनुमति देने के लिए शुक्रिया। मुझे उम्मीद है कि यह अवॉर्ड जीतने के बाद, वे अपना त्याग समझ पा रहे हैं जिसकी वजह से मैं आज यहां खड़ा हूँ।'

### पुराने कलाकारों को नए कलाकारों ने अपनी परफॉर्मेंस के जरिए दिया ट्रिब्यूट

## लापता लेडीज ने झटकी 13 ट्रॉफियां अवॉर्ड लेते कलाकार हुए भावुक

मुंबई। फिल्मफेयर अवॉर्ड 2025 के मंच पर पूरा हॉलीवुड नजर आया। इस खास शाम को शाहरुख खान ने अपनी एकदम से खास बना दिया। साथ ही शाहरुख और काजोल की परफॉर्म भी चर्चा में रही। कई पुराने कलाकारों को नए कलाकारों ने अपनी परफॉर्मेंस के जरिए ट्रिब्यूट दिया। अवॉर्ड नाइट में फिल्म 'लापता लेडीज' की धूम रही। कई कलाकार अवॉर्ड लेते हुए भावुक नजर आए।

कार्तिक और अभिषेक ने शेयर किया अवॉर्ड अपने सैरियर में अभिषेक बच्चन ने पहली बार बेस्ट एक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड अपने नाम किया। अभिषेक को फिल्म 'आई वॉन्ट टू टॉक' के लिए यह अवॉर्ड मिला है। हालांकि, यह अवॉर्ड उन्हें संयुक्त रूप से कार्तिक आर्यन के साथ मिला। कार्तिक आर्यन को यह अवॉर्ड फिल्म 'चंदू चैपियन' के लिए मिला। कार्तिक आर्यन और अभिषेक बच्चन अवॉर्ड लेते वक्त इमोशनल दिखे। अवॉर्ड फंक्शन में आलिया तो नहीं पहुंची थीं, लेकिन उन्होंने अपने नाम बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड किया। फिल्म 'जिगरा' में उम्दा अभिनय करने लिए आलिया को यह अवॉर्ड मिला है। शाहरुख को किया गया सम्मानित काजोल संग परफॉर्मेंस ने जीता दिल फिल्मफेयर अवॉर्ड 2025 में शाहरुख और काजोल की हिट जोड़ी ने स्ट्रेज पर अपनी परफॉर्मेंस से सभा बांध दिया था। दर्शक मंत्रमुग्ध होकर दोनों को देखते रहे। वहीं शाहरुख खान को अवॉर्ड फंक्शन में भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने काजोल और करण जोहर के साथ यह अवॉर्ड लिया।



### अवॉर्ड फंक्शन में ये झलकियां भी चर्चा में रहीं

कॉर्टी सेनन और लक्ष्य ने दिया शम्मी कपूर और जीनत अमान को ट्रिब्यूट। कॉर्टी ने जीनत अमान और लक्ष्य ने शम्मी कपूर के गानों पर परफॉर्म किया। इनकी परफॉर्मेंस ने हॉट में चार चांद लगा दिए थे। रवि किशन अवॉर्ड लेते हुए भावुक हुए। शाहरुख खान के साथ खड़े होकर उन्होंने अपने मन की बातें सबके साथ साझा कीं। 'लापता लेडीज' फेम एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा ने भी अवॉर्ड लेते हुए काफी एक्साइटेटे दिखीं। डायरेक्टर किशन राव ने अपनी फिल्म 'लापता लेडीज' की पूरी कास्ट के साथ बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड लिया।

फिल्मफेयर अवॉर्ड के विजेताओं की सूची बेस्ट लीड मेल एक्टर अभिषेक बच्चन और कार्तिक आर्यन बेस्ट लीड एक्ट्रेस आलिया भट्ट बेस्ट मेल एक्टर (क्रिटिक्स अवाइर्स) राजकुमार राव बेस्ट लीड एक्ट्रेस (क्रिटिक्स अवाइर्स) प्रतिभा रांटा बेस्ट सपोर्टिंग फीमेल एक्ट्रेस छाया कदम (लापता लेडीज के लिए) बेस्ट सपोर्टिंग मेल एक्टर रवि किशन (लापता लेडीज के लिए) बेस्ट फिक्शन (क्रिटिक्स अवाइर्स) श्रुति सरकार (आई वॉन्ट टू टॉक के लिए) बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस फिल्मफेयर अवॉर्ड 2025 नितांशी गोयल बेस्ट डेब्यू एक्टर (फिल्मफेयर-अवॉर्ड 2025) : लक्ष्य बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर (फिल्मफेयर अवॉर्ड 2025) कुणाल खेमु, आदित्य सुहास जंगमले बेस्ट प्लेबैक सिंगर मेल अजीरत सिंह (लापता लेडीज के लिए)